Result Mitra Daily Magazine

डेंगू का विस्तार

❖ हालिया संदर्भ :

- भारतीय शहरों में डेंगू (Dengue) के मामलों में उछाल के साथ इस वर्ष दुनिया भर में इस संक्रमण के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए हैं।
- WHO के अनुसार, वैश्विक स्तर पर डेंगू के मामले साल दर साल बढ़ते जा रहे हैं।
- इस वर्ष ब्राज़ील सहित दक्षिण अमेरिकी कई देश इस संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

वर्ष	मामले(मिलियन)	मौत
2019	3.5	2133
2020	2.4	1095
2021	1.3	548
2022	5.9	1520
2023	5.27	4502
2024	12.06	6991

❖ डेंगू :

- यह एक वायरल संक्रमण है,जो एडीस एजिप्टी मच्छर द्वारा फैलता है।
- इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, गंभीर सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द एवं अकड़न, चक्कते एवं उल्टी आदि शामिल है।
- इसमें प्लेटलेट्स की संख्या कम हो जाती है और इसके फलस्वरुप गंभीर संक्रमणों में आंतरिक रक्तस्राव (Bleeding) होने लगती है, जिसका उचित प्रबंधन नहीं किए जाने पर व्यक्ति की मौत हो जाती है।
- लैसेंट पत्रिका में छपे एक रिपोर्ट के मुताबिक डेंगू एकमात्र ऐसा संक्रामक रोग बन गया है जिसमे वार्षिक मृत्यु दर बढ़ती जा रही है।

Note : प्लेटलेट्स रक्त का प्रमुख भाग है,जिसे 'थ्रोम्बोसाइट' कहा जाता है और यह रक्त का थक्का (Blood Clotting) के लिए आवश्यक है।

Note : Vitamin–K का कार्य भी Blood Clotting में सहायता करना है।

❖ भारत की स्थिति :

- पहले 2 महीने में भारत के कई शहरों में डेंगू के मामले बड़े हैं।
- राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अनुसार, जून के अंत तक डेंगू के 32,000 से ज्यादा मामले एवं 32 मौतें रिकॉर्ड की गई।
- मानसूनी सीजन में सामान्यतः डेंगू के मामले में वृद्धि देखी जाती है।
- वर्ष 2001 में डेंगू का संक्रमण केवल आठ राज्यों एवं UTs में था, जबकि 2022 में इसका विस्तार भारत के प्रत्येक राज्य एवं UTs में हो गया।
- 2022 में लद्दाख सबसे आखरी UTs बना, जहां 2 डेंगू के मरीज मिले।

❖ बढ़ते मामलों के कारण :

1. शहरीकरण :

- घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में यह संक्रमण तीव्रता से फैलता है क्योंकि यह क्षेत्र एडिस एजिप्टी मच्छर के प्रजनन के लिए आदर्श स्थल प्रदान करते हैं।

Result Mitra

- साफ और स्थिर पानी (कुकर, AC, पानी की टंकी) इसके प्रजनन के लिए आदर्श है।

Note : पानी में केरोसिन या अन्य पेट्रोलियम पदार्थ के छिड़काव से पानी का पृष्ठ तनाव (Surface Tention) कम हो जाता है, जिससे मच्छर के लार्वा डूब कर मर जाते हैं। यह डेंगू या अन्य मच्छर जनित संक्रमण को फैलने से रोकने का सरल उपाय है।

2. **जलवायु परिवर्तन :**

- तापमान में वृद्धि ने मच्छरों को उन जगहों (ज्यादा ऊंचाई) पर भी प्रजनन–सक्षम बना दिया है जहां वे पूर्व में ऐसा नहीं कर सकते थे।
- जलवायु परिवर्तन ने न केवल इस वाइरस को अधिक शक्तिशाली बना दिया है, बल्कि वायरस संचरण को भी आसान बना दिया है।

3. **लोगों की यात्रा :**

- लोगों एवं सामानों की वैश्विक आवाजाही ने संक्रमण को विस्तारित करने में भूमिका निभाई है।
- आवाजाही के दौरान कई बार वायरस एवं मच्छरों को लोग या सामान अपने साथ ले जाते हैं, जो ऐसे क्षेत्र में संक्रमण का विस्तार करता है, जहां यह पूर्व में नहीं था।

Result Mitra

❖ **सुरक्षा–उपाय :**

- पानी जमाव से रोकें,
- रसायनों का नियमित छिड़काव करें,
- पूरे शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें,
- यह मच्छर दिन के समय काटते हैं, इसलिए इस दौरान ज्यादा सावधानी बरतें।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को संक्रमण क्षेत्र–विशेष में सुरक्षा उपायों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

❖ **वैक्सीन:**

- WHO ने डेंगू के लिए दो वैक्सीन की सिफारिश की है :

i) सनोफी का डेंगवैक्सीन।

ii) टेकेडा का क्यूडेंगा।

- भारत ने इन दोनों वैक्सीन में से किसी को मंजूरी नहीं दी है लेकिन भारत स्वयं टीकों के निर्माण पर कार्य कर रहा है।
- सीरम इंस्टीट्यूट एवं पेनेसिया बायोटेक द्वारा विकसित 2 टीके उन्नत चरण में है ।

❖ एडीज एजिप्टी:

- यह डेंगू के अलावा Yellow Fever, चिकनगुनिया, जीका एवं मायारो संक्रमण के लिए जिम्मेदार है। साथ ही वेस्ट नाइल वाइरस संक्रमण भी इसी से होता है।
- इस मच्छर की विशिष्टता इसके पैरों पर सफेद निशान एवं पीठ पर सफेद धारी है।
- इसका उद्भवअफ्रीका से हुआ था, लेकिन अब यह उष्णकटिबंधीय प्रदेशों के साथ शीतोष्ण एवं उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में भी पाया जाता है।

Note – डेंगू जीनस फ्लेवी वायरस के कारण होता है

Result Mitra